आस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ भारत-ए की कप्तानी करेंगी यस्तिका और अनुष्का

मुम्बई

यस्तिका भाटिया आस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय और चार दिवसीय सीरीज में भारतीय ए टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं टी 20 टीम की कमान अनुष्का शर्मा को सौंपी गयी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने आस्ट्रेलिया-ए के आगामी भारत दौरे के लिए टीम भारत-ए टीम की घोषणा के दौरान ही यस्तिका और अनुष्का को कप्तान बनाने की भी घोषणा की। इस महत्वपूर्ण दौरे पर भारत-ए की कमान दो युवा और प्रतिभाशाली चयन समित के इस फैसले से साफ है कि वह टीम में युवा नेतृत्व तैयर कर रहा है जो आने वाले समय में टीम की जिम्मेदारी उठा सके। इसी के तहत ही चयन समिति ने सयाली सतघरे को टी-20 प्रारूप के लिए उपकप्तान बनाया है। वहीं एकदिवसीय और चार दिवसीय मुकाबले में अनुष्का शर्मा को उपकप्तान की भूमिका निभाएंगी। यह व्यवस्था खिलाड़ियों को विभिन्न प्रारूपों में नेतृत्व कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करेगी, जिससे भविष्य के लिए एक मजबूत और बहुमुखी नेतृत्व समूह तैयार हो सके। आस्ट्रेलिया एक क यह भारत दौरा 12 सितंबर से शुरू होगा और इसमें भारतीय महिला क्रिकेट के लिए कई रोमांचक मुकाबले शामिल हैं। कुल मिलाकर, दौरे में तीन टी-20 मुकाबले, तीन एकदिवसीय मैच और एक चार दिवसीय मैच शामिल है, जो खिलाड़ियों के विभिन्न कौशलों और शारीरिक फिटनेस की परीक्षा लेंगे। इस दौरे के टी-20 मैच न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे, जो युवा खिलाड़ियों के लिए एक नया अनुभव होगा। वहीं एकदिवसीय मुकाबलों की मेजबानी मोहाली का प्रसिद्ध पीसीए स्टेडियम करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी के लिए जाना जाता है। एकमात्र चार दिवसीय मुकाबला हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में खेला जाएगा। टी-20 सीरीज 12 सितंबर को शुरु होगी। जिसके बाद 15 और 17 सितंबर को अगले दो मैच न्यू चंडीगढ़ में ही खेले जाएंगे। 20, 23 और 25 सितंबर को एकदिवसीय सीरीज के रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगेअंत में, दौरे का समापन 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक धर्मशाला में होने वाले चार दिवसीय मैच के साथ होगा

टीम इस प्रकार हैं:

टी-20 के लिए भारत ए टीम: अनुष्का शर्मा (कप्तान), सयाली सतघरे, वृंदा दिनेश, सुजाता डे, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, शिप्रा गिरी, श्वेता सहरावत, उमा छेत्री, तनुजा कंवर, मीनू मणि, वैष्णवी शर्मा, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, सिमरन दिल बहादुर।

एकदिवसीय टीम: यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, वृंदा दिनेश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, उमा छेत्री, मीनू मणि, अमनदीप कौर, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

चारदिवसीय मैच की टीम: यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, शुभा सतीश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, ममता माडिवाला, सुश्री दिब्यदर्शिनी, शुचि उपाध्याय, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

न्यूज ब्रीफ

प्रज्ञानानंद ने रचा इतिहास, ग्रैंड चेस टूर फाइनल जीतने वाले पहले भारतीय बने

सेंट लुइस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार वापसी करते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने

फैबियानो करूआना को हराकर ग्रैंड चेस टूर फाइनल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल के आखिरी दिन प्रज्ञानानंद छह अंकों के बड़े अंतर से पीछे थे, लेकिन उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए दोनों रैपिड बाजियां जीत लीं। इसके बाद ब्लिट्ज में दबाव भरे मुकाबले के बावजूद बढ़त कायम रखते हुए 15-13 के स्कोर से खिताब अपने नाम किया। यह प्रज्ञानानंद के करियर का अब तक का सबसे बड़ा खिताब है। इस जीत के साथ उन्हें दो लाख अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि मिली। करूआना ने क्लासिकल मुकाबलों के बाद छह अंकों की बढ़त बना रखी थी। प्रज्ञानानंद ने हालांकि रैपिड और ब्लिट्ज में मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने पहले क्लासिकल मुकाबले में 0-6 से हार झेली, जबकि दूसरा मुकाबला 3-3 से ड्रा रहा। इसके बाद उन्होंने दोनों रैपिड मुकाबले जीतकर बढ़त हासिल की और चार ब्लिट्ज बाजियों में उसे बरकरार रखा। खिताबी जीत के बाद प्रज्ञानानंद ने कहा कि वह इस खिताब को जीतकर खुश हैं। उन्होंने ग्रैंड चेस टूर को विश्व चैंपियनशिप के बाद परंपरा के लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में से एक बताया।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन पाक गेंदबाज हावी रहे, मेजबानों ने 248 रनों पर ही 9 विकेट गंवाए

लार्ड्स। मोहम्मद अब्बास और मोहम्मद अली की शानदार गेंदबाजी से पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। इससे मेजबान इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज दिन का खेल खत्म होने तक 9 विकेट पर 248 रन ही बना पाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय गस एटकिंसन 34 रन और जोश टंग 1 रन पर खेल रहे थे। पाकिस्तानी गेंदबाजों ने पहले दिन सधी हुई गेंदबाजी कर मेजबान टीम को कोई अवसर नहीं दिया। मोहम्मद अब्बास ने कुल 4 महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसके अलावा मोहम्मद अली ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट लिए और विरोधी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखा। खुर्रम शहजाद को भी एक विकेट मिला। पाक टीम अपनी रणनीति में सफल रहा और इंग्लैंड को एक बड़े स्कोर की ओर बढ़ने से रोक दिया। इंग्लैंड की ओर से केवल जार्डन काक्स और जेमी स्मिथ ही कुछहदक तक बल्लेबाजी कर पाये। स्मिथ ने 80 गेंदों में 61 रन बनाए, जबकि जार्डन काक्स ने 105 गेंदों में 55 रन बनाये।

ला लीगा में बार्सिलोना ने अपना दूसरा मैच भी जीता, बिलबाओ को 2-0 से हराया, राफिन्हा और लोपेज ने दागे गोल

मैड्रिड। स्पेनिश क्लब एफसी बार्सिलोना ने इस बार ला लीगा फुटबाल सत्र की अच्छी शुरुआत करते हुए अपना दूसरा मुकाबला भी जीत लिया है। बार्सिलोना ने अपने दूसरे मुकाबले में एथलेटिक बिलबाओ को 2-0 से हराय। इस जीत में राफिन्हा और फर्मिन लोपेज की अहम भूमिका रही है। इन दोनो ने ही एक-एक गोलकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इससे टीम को 3 महत्वपूर्ण तीन अंक मिले। राफिन्हा ने मैच के 37वें मिनट में पेड्री के एक बेहतरीन मूव पर टीम के लिए पहला गोल किया। बार्सिलोना की टीम पूरे समय खेल पर हावी रही। वहीं एथलेटिक बिलबाओ का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह एक भी गोल नहीं कर पायी। बार्सिलोनो के लामिन यमल ने बिलबाओ पर एक के बाद एक हमले किये हालांकि वह उन्हें गोल में बदल नहीं पाये। बिलबाओ के गोलकीपर उनाई साइमन ने कई गोल रोके पर 82वें मिनट में बार्सिलोना के फर्मिन लोपेज के गोल को वह नहीं रोक पाये। इससे बार्सिलोना की बढ़त 2-0 हो गई और उनकी जीत पक्की हो गयी। एक अन्य मुकाबले में सेल्टा विगो को ओसासुना के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अच्छी शुरुआत के बाद भी हार का सामन करना पड़ा। सेल्टा को इयागो एस्पस ने शुरुआती गोल करके बढ़त दिलाई पर दूसरे हाफ में मैच पलट गया। डिफेंडर मार्कोस अलोंसो को खतरनाक फाउल के लिए वीएआर जांच के बाद लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया।

खेलों से विकसित होता है अनुशासन व आत्मविश्वास : प्रो. एस के काबिया

बैडमिंटन कोर्ट पर खिलाड़ियों का दमखम, खिताब के लिए भिड़ेंगे विजेता

राष्ट्रीय खेल दिवस पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता शुरू, महिला-पुरुष वर्ग में हुए रोमांचक मुकाबले

झांसी

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद शारीरिक शिक्षा विभाग में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता के तहत बैडमिंटन मुकाबले हुए। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने कोर्ट पर जमकर पसीना बहाया और जीत के लिए शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले शनिवार को होंगे।

प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि आईक्यूएसी निदेशक प्रो. सुनील कुमार काबिया रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं हैं, बल्कि इससे अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और संघर्ष करने की क्षमता विकसित होती है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने के साथ मेजर ध्यानचंद के खेल जीवन, समर्पण और राष्ट्र के प्रति योगदान को याद करने का अवसर भी देता है। खिलाड़ियों को परिणाम की चिंता किए बिना पूरी खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना चाहिए।

इस दौरान डा. कन्हैयालाल सोनकर, डा. स्वप्ना सक्सेना, डा. विनोद बौद्ध, डा. यज्ञपाल सिंह, डा. रोहित तिवारी, मिस प्रीति श्रीवास और कुण्डेश्वर बाबू मौजूद रहे। प्रतियोगिता के संयोजक डा. ज्ञान अरजरिया और डा. कृष्णा पांडेय रहे। मंच संचालन आरती वर्मा ने किया। देव कुमार, दिशा राजा, अनामिका गौर, सत्येंद्र साहू, शिवम, विष्णु और पारस ने आफिशियल एवं निर्णायक की भूमिका निभाई।

महिला वर्ग में रीवा, अनामिका और काव्या ने मारी बाजी

बैडमिंटन के महिला वर्ग में पहला मुकाबला बीपीएड की रीवा और बीएससी की स्नेहा के बीच हुआ। रीवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्नेहा को 15-5 से पराजित किया। दूसरे मुकाबले में बीपीएड की अनामिका ने दिशा को 15-10 से हराया।

तीसरे मुकाबले में बीपीएड की जोया और बीपीईएस की काव्या आमने-सामने रहीं। कड़े मुकाबले में काव्या ने जोया को 15-11 से शिकस्त देकर अगले दौर में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग में नौसाद का दबदबा पुरुष वर्ग के मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। पहले मुकाबले में बीपीएड के नौसाद खान ने बीपीईएस के शौर्य को 15-1 से हराया। इसके बाद विष्णु ने दीपांशु को 15-7 से पराजित किया। पारस और लकी के बीच हुए मुकाबले में लकी ने 15-9 से जीत दर्ज की।

बीसीए के कृष्णा टंडन और प्रतीक के बीच हुए मुकाबले में प्रतीक ने 15-10 से बाजी मारी। अंतिम मुकाबले में शिवम ने बाबू राजा को 15-7 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

शनिवार को होंगे सेमीफाइनल और फाइनल

सभी मुकाबले सफलतापूर्वक संपन्न हुए। अब शनिवार को सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। खिताबी मुकाबले को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह है।

मेजर ध्यानचंद का जीवन प्रेरणास्रोत : डा. बाबेले

विभागाध्यक्ष डा. राजीव बाबेले ने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन अनुशासन, नियमित अभ्यास और समर्पण की मिसाल है। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

पीएमओ की ओलंपिक पोस्ट पर विनेश ने उठाये सवाल

चंडीगढ़

महिला पहलवान विनेश फोगाट ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी ओलंपिक पोस्ट को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। पोस्ट में ओलंपिक प्रदर्शन और पदक तालिका में सुधार को लेकर बातें कही गयी हैं। इसके बाद विनेश ने कहा कि खेल महासंघों में जब तक राजनीतिक हस्तक्षेप रहेगा तब तक पदक तालिका में सुधार कैसे हो सकता है। इसके साथ ही विनेश ने महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा पर भी सवाल उठाये हैं।

इससे पहल प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया में एक पोस्ट साझा की थी, जिसमें भारत के ओलंपिक प्रदर्शन का विश्लेषण किया गया था। पोस्ट में कहा गया था कि ओलंपिक में कई तरह के खेल शामिल होते हैं पर भारत की भागीदारी उनमें से आधे से भी कम खेलों में ही है। इससे भारतीय खिलाड़ी पदक तालिका में भी काफी पीछे रहते हैं। इसी को लेकर पीएमओ ने कहा कि अगर भारत को ओलंपिक में पदकों की संख्या बढ़ानी है, तो उसे नए और अधिक खेलों में भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ उनमें बेहतर प्रदर्शन करने पर ध्यान देना होगा। इसी पर पलटवार करते हुए विनेश ने प्रधानमंत्री से ही सवाल किया और पूछा, खिलाड़ी उन प्रतियोगिताओं में कैसे भाग ले पाएंगे, जहां महासंघों में आपकी पार्टी से जुड़े ऐसे लोग मौजूद हैं, जिन पर गंभीर आरोप लगे हैं विनेश ने इसके साथ ही महिला खिलाड़ियों के कथित यौन उत्पीड़न का मामला भी जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे व्यक्तियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता है, जिससे वे इस प्रकार की हरकतें करते रहते हैं।

महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा का मामला उठाया

विनेश की ये प्रतिक्रिया भारतीय कुश्ती महासंघ से जुड़े मामले को लेकर हैं। जिसमें उन्होंने और कई अन्य महिला पहलवानों ने तब कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषणा के आरोप लगाये थे।

11 स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों का सम्मान

भोपाल। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, कोलार रोड में आयोजित सम्मान समारोह में 3री राष्ट्रीय फ्रंटबॉल चैंपियनशिप में 11 स्वर्ण पदक जीतकर मध्यप्रदेश को ओवरऑल विजेता बनाने वाले विश्वविद्यालय के पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। प्रतियोगिता में झारखंड दूसरे और गुजरात तीसरे स्थान पर रहा। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने सिंगल्स, डबल्स और मिक्स्ड डबल्स स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन किया। पदक विजेताओं में मयूरी बुडोड़े, रेणु, हर्षित जैन, कृष्णकांत, अरमान, सिद्धांत, वंश, हिमांशी मड़ावी और समय तायाडे शामिल रहे। प्रतियोगिता में आठ राज्यों के 200 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

समारोह में डॉ. अनुपम चौकसे, कुलाधिपति, जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी एवं सचिव, एलएनसीटी ग्रुप ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। स्पोर्ट्स डायरेक्टर पंकज कुमार जैन और डॉ. रेणु यादव ने भी खिलाड़ियों को सम्मानित किया। प्रबंधन ने पदक विजेताओं को प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

इमरान के बेटे बोले, सैनिक तानाशाही के डर से उनके पिता का खुलकर समर्थन नहीं कर रहे पाक क्रिकेटर

लंदन

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों कासिम और सुलेमान ने एक साक्षात्कार में कहा है कि सैनिक शासन के डर से पाकिस्तानी क्रिकेटर उनके पिता का समर्थन नहीं कर पा रहे हैं। वहीं इससे पहले कई लोगों ने इस मामले में पाक क्रिकेटरों की चुप्पी पर सवाल उठाये थे।

गौरतलब है कि इमरान खान की रिहाई और उन्हें उचित चिकित्सा सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए दुनिया भर के कई पूर्व क्रिकेट कप्तानों ने एक हस्ताक्षर अभियान चलाया है। इस अभियान में भारत के कई पूर्व दिग्गज कप्तान, जो इमरान खान के साथ खेल चुके हैं, सहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बिरादरी के बड़े नाम शामिल हुए हैं। इन सभी ने पाक सरकार से मानवाधिकारों और मानवीय आधार पर इमरान को बेहतर सुविधाएँ देने का अनुरोध किया है। हालांकि, इस अंतरराष्ट्रीय समर्थन के बावजूद, यह बेहद निराशाजनक और चिंताजनक रहा कि पाक के ही पूर्व कप्तान और महान खिलाड़ी इस सूची से पूरी तरह नदारद रहे, जिस पर कासिम और सुलेमान ने अपनी गहरी निराशा व्यक्त की।

आर्थटन ने कासिम और सुलेमान से सीधे यह तीखा सवाल पूछा कि जब दुनिया भर के कई पूर्व कप्तान आपके पिता के समर्थन में आगे आए हैं और उन्होंने पाकिस्तान सरकार से उनकी रिहाई व बेहतर इलाज के लिए अनुरोध किया है, तो उस सूची में पाकिस्तान के कुछ महान क्रिकेटरों के हस्ताक्षर क्यों नहीं हैं इस पर आप क्या कहेंगे, और उनके समर्थन न करने की क्या वजह हो सकती है

इसके जवाब में सुलेमान और कासिम ने कहा, आप (आर्थटन) खुद उन पूर्व कप्तानों में से एक हैं जिन्होंने मेरे पिता के समर्थन में हस्ताक्षर किए हैं, और हम इस कदम की बहुत सराहना करते हैं पर मैं पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटरों की स्थिति को समझता हूँ। उन्होंने आगे स्पष्ट किया, मुझे पता है कि उनमें से बहुत से लोग मेरे पिता का बेहद सम्मान करते हैं, लेकिन जिस व्यवस्था में वे रह रहे हैं, वह एक सैन्य तानाशाही जैसी स्थिति है। बेटों ने बताया कि ऐसे माहौल में उनके लिए खुलकर अपनी राय रखना या किसी भी तरह का विरोध जताना बेहद मुश्किल है, क्योंकि ऐसा करने पर उन्हें कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

यह बयान पाकिस्तान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राजनीतिक माहौल पर गहरा प्रकाश डालता है, जहाँ प्रभावशाली व्यक्तियों को भी सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ बोलने पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली

भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 2026 डायमंड लीग के फाइनल में जगह बना ली है। सीजन का फाइनल 4 और 5 सितंबर को ब्रसेल्स में आयोजित होगा।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज ने इस सत्र में डायमंड लीग के दो चरणों में हिस्सा लिया। उन्होंने 19 जून को दोहा चरण में 85.69 मीटर के प्रयास के साथ चौथा स्थान हासिल किया था। इसके बाद 21 अगस्त को लाजेन चरण में 88.05 मीटर का सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

नीरज 27 अगस्त को ज्यूरिख चरण में नहीं उतरे, जहां पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा भी कार्यक्रम में शामिल थी। हालांकि, लाजेन में उनके प्रदर्शन ने फाइनल में जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त अंक दिलाए।

नीरज ने इस सत्र में ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भी 85.83 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था।

ब्रसेल्स में होने वाले फाइनल से पहले श्रीलंका के रुमेश थारंगा पाथिरागे भाला फेंक की अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। उन्होंने ज्यूरिख चरण में 92.07 मीटर के शानदार प्रयास के साथ जीत दर्ज की। एंडरसन पीटर्स, केशोर्न वालकाट और कर्टिस थाम्पसन भी खिताब के प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं।

नीरज की नजरें अपने दूसरे डायमंड ट्राफी खिताब पर होंगी। उन्होंने 2022 में डायमंड लीग का खिताब जीता था और इसके बाद तीन बार उपविजेता रहे हैं।

ऐसे मिलते हैं डायमंड लीग में अंक - डायमंड लीग में मई से सितंबर तक 14 चरण होते हैं। प्रत्येक स्पर्धा में शीर्ष आठ खिलाड़ियों को क्रमशः 8, 7, 6, 5, 4, 3, 2 और 1 अंक मिलते हैं।

नीरज ने दोहा में चौथे स्थान के लिए सात और लाजेन में दूसरे स्थान के लिए पांच अंक हासिल किए, जिससे उनके कुल 12 अंक हो गए। केन्या के जूलियस येगो ज्यूरिख चरण से पहले नौ अंकों पर थे। ज्यूरिख में 81.66 मीटर के प्रयास के साथ पांचवें स्थान पर रहने के बाद उनके 13 अंक हो गए और उन्होंने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया।

मांजरेकर ने कोलंबो टेस्ट ड्रा रहने पर कोच और कप्तान पर तंज कसा

कोलंबो। अपने बेबाक बयानों के कारण विवादों में रहने वाले पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने कोलंबो टेस्ट ड्रा होने पर तंज कसते हुए कहा कि श्रीलंकाई बल्लेबाज सोनल दिनुशा के लिए तालियां बजानी चाहिये। उन्होंने श्रीलंकाई टीम को फालोआन के लिए मजबूर करने के बाद भी जीत हासिल नहीं कर पाने पर निराशा जताते हुए टीम की रणनीति पर ही सवाल उठाये हैं। इस प्रकार उनके निशाने पर कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 509 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की थी, जो एक मजबूत स्कोर था। इसके जवाब में श्रीलंका अपनी पहली पारी में केवल 290 रन ही बना पायी थी जिससे भारतीय टीम को 200 रनों से अधिक की बढ़त मिली थी पर वह उसका लाभ नहीं उठा पायी। गौरतलब है कि फालोआन देना वाली टीम की जीत तय मानी जाती है पर इस बार ऐसा नहीं हो पाया। इसका कारण है कि फालोआन खेलने वाली टीम दबाव में रहती है। हालांकि, कोलंबो टेस्ट में यह धारणा गलत साबित हुई। मैच ड्रा होने के बाद मांजरेकर ने कहा, मैच नहीं जीत पाने के लिए कोई भी भारतीय टीम पर सवाल नहीं उठा सकता क्योंकि सोनल ने बल्लेबाजी ही ऐसी की थी, उनके लिए तालियां बनती हैं। मांजरेकर का यह ट्वीट भारतीय टीम की उस रणनीति पर सवाल उठाता है, जिसके तहत वे एक बड़ी बढ़त और फालोआन के बावजूद जीत हासिल नहीं कर पाए। श्रीलंकाई युवा बल्लेबाज सोनल ने इस मैच में एक छोर संभालते हुए भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। सोनल ने अपनी टीम के लिए पहली पारी में 103 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को 290 रनों तक पहुंचाया।